निर्मल दीदी / निर्मल ग्राम

खुले मे शौचमुक्त पंचायत बनाने मे रामकुमारी (निर्मल दीदी) ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका:

किसान क्लब के माध्यम से किसानो मे सशक्तिकरण, संगठनात्मक विकास, जैविक खाद एवं कीटनाशक से खेती कर बचत करने का आदत लगाई | साफ सफाई के प्रति जागरूकता की, पहले स्वयं का शौचालय बनाकर दुसरो को भी बनाने हेतु प्रेरित किया, सर्व प्रथम अपने किसान क्लब के सभी बत्तीस सदस्य से शौचालय का निर्माण एवं पंचायत मे बने चारों क्लब के सदस्य को मुक्त करना एवं पंचायत के सभी क्लव सदस्यों के मदद से पुरे पंचायत मे घर घर शौचालय बनाने मे रामकुमारी देवी एवं साथ मे इंदु देवी के सहयोग से निर्मल पंचायत बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई | इसमें वह पंचायत के मुखिया से मन रेगा योजना का अनुदान भी ग्रामीण को लेने हेतु प्रेरित किया | इस पहल के बाद पंचायत को निर्मल ग्राम का दर्जा मिला, जिसमे पंचायत के मुखिया के साथ साथ उन्हें भी निर्मल दीदी का सम्मान मिला है |

Figure 1 रामकुमारी द्वारा शौचालय से गौरवान्वित महसूस करती हुई इसी के कारण मुझे पंचायत के लोगो द्वारा निर्मल दीदी पुकारे जाने लगी

Individual introduction

1 व्यक्तिगत परिचय:

2· नाम : रामकुमारी देवी |

3· पिता / पति का नाम : अजय कुमार शर्मा |

4·पूरा पता : ग्राम- पकडी, पंचायत - बैरिया, डाकघर - छतौना , थाना पिपराही, प्रखंड- पुरनहिया, जिला- शिवहर |

5· उम्र: *48* वर्ष |

6· शैक्षणिक योग्यता: मेट्रिक |

7· पेशा: गृह कार्य एवं पति को कृषि कार्य मे सहयोग, किसान क्लब एवं महिला समूह के प्रतिनिधित्व करना |

Figure 2 राम कुमारी द्वारा *250* फीट के जल के गुणवता को समुदाय के लोगो से शेयर करते हुए

Family Introduction

8·परिवारिक स्थिति पूर्व विवरण

पुरुष : *3* **महिला :** *2* **बच्चे:** *01* परिवार मे कोई विकलांग नहीं |

9·विवाहितो कि संख्या : *01* /

10·अविवाहित की संख्या: *03* /

11·किशोर की संख्या : *01* /

12·किशोरी की संख्या : *01* /

13·परिवार की शैक्षणिक स्थिति: न्यूनतम साक्षर एवं अधिकतम अंतर स्नातक

14· मासिक आय (परिवार की और व्यक्तिगत) : वर्तमान समय मे परिवारिक मासिक आय*: 11000,* वर्तमान समय मे व्यक्तिगत मासिक आय *- 3000,*

Community/Surrounding information

15· आस पास का परिवेश विवरण :

(*A*) स्कुल *:* हाँ **(*B*) आँगनवाड़ी केन्द्र** *:* हाँ

(*C*) सामुदायिक भवन *:* हाँ

(*D*) प्राथमिकी सवास्थ्य केन्द्र : नहीं

(*E*) उपस्वास्थ्य केन्द्र *;* नहीं

(*F*) सामुदायिक शौचालय *:* नहीं

(*G*) सामुदायिक जलस्रोत *:* हाँ (वाटर फॉर पीपल द्वारा)

Figure 3 रामकुमारी द्वारा कचरा से सी सी पी पद्धति से खाद बनाते हुए

What was the situation before ?

16· पूर्व की स्थिति : हस्तक्षेप से पहले व्यक्तिगत आय *- 00,* हस्तक्षेप के पहले पारिवारिक आय *: 3000,* परिवार के लोग कृषि कार्य रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशक से करते थे | सिंचाई हेतु वर्षा, मौसम पर अत्यधिक निर्भर रहते थे, खुले मे शौच जाते थे, बीमारी के इलाज मे ज्यादा रुपया खर्च होता था | गावं मे किसान का कोई संगठन नहीं था | एक दूसरों से खेती और स्वच्छता को लेकर अनुभव आदान प्रदान नहीं होता था | सरकारी योजनाओ के बारे मे पता नहीं चल पता था जिससे उसका लाभ नहीं ले पाते थे | गृह कार्य मे रहकर परिवार तक सीमित थी |

Factor/events individual become the cause of change:

***17· किस प्रकार/ Kinsha prabit hokar* आपने इस कार्य को किया :** सबसे पहले किसानो का सर्वे दो वर्ष पूर्व हुआ, उनका *Exiting situation* वार्षिक आय, जमीन संबंधी ब्यौरा एवं किसानवार संसाधन का व्योरा लिया गया, किसके पास शौचालय है किसके पास नहीं है कौन परिवार *200* फीट से नीचे का पानी पीते है कौन *200* फीट से कम का यह पता चला फिर इससे होने वाले नुकसान एवं उसकी गंभीरता को समझा गया उसके निदान हेतु, उसमे से *small and Marginal* (लघु किसान) किसान का चयन हुआ और किसानो के सहमति से किसान क्लब का गठन हुआ | किसान क्लब चलाने, उसका दस्तावेजीकरण करने, जैविक खेती करने हेतु प्रशिक्षण, केंचुआ गोबर आधारित खाद एवं कूड़ा कचड़ा से खाद, कंचन अमृत बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया | हमलोग आपस मे *50* रुपया महीना आपस मे जमा कर उसमे से अंतरवर्ती ऋण का लेन देन करने लगे | वर्मी कम्पोस्ट, कंचन अमृत एवं सी सी पी सबसे पहले स्वयं बनाया एवं दूसरे किसानो को भी बनाने हेतु प्रेरित किया | इससे बहुत कम लागत से खाद, एवं कीटनाशक उपलब्ध हो गया जिससे खेती करने मे लागत कम गया और आय बढ़ गया | फिर अजोला का जिला मे किसानो का मुख्या समस्या सिंचाई के साधन का आभाव था उसको पूरा करने के लिए क्लब बनने पर एक बोरवेळ लगा, जिससे जहाँ एक फसल प्रकृति के भरोसे करते थे वहाँ अब दो से तीन फसल लेकर उपज तो सीधे कम से कम दुगुनी हो गई है | वर्षा करने वाले मशीन के रूप मे रैनगन के प्रयोग से एक चौथाई पानी मे ही बेहतर फसल का उत्पादन होने लगा है | संगठन के कारण सरकारी कृषि संबंधीत विभिगीय कर्मी/ पदाधिकारी मासिक बैठक मे आने लगे जिससे सरकारी योजनाओ की जानकारी समय से होने लगी और उसका भी अनुदानित लाभा लेने लगे | डीजल अनुदान, फसल क्षतिपूर्ति, केला के पौधे पर अनुदान, वर्मी वेड पर अनुदान के साथ साथ कृषि विज्ञान केन्द्र से प्रशिक्षण, उन्नत किस्म के बीज का प्रत्यक्षण, जैसे गेहूं का एच डी *2967* प्रजाति, बंद गोभी के सकाता प्रजाति का परख, बुलेट मिरचाई

Figure 4 मीनापुर बलः मे जाकर श्रीमती एलिना और श्री नेक बर्न को पिछले चार महीना के अनुभव को शेयर करते हुए

प्रजाति का परख किया | कंचन सेवा आश्रम एवं वाटर फॉर पीपल के प्रेरणा से घर जल का पीने मे प्रयोग कर, शौचालय एक के जगह तीन बनाकर, एवं नियमित प्रोयोग से समय का बचत कर, आस पास के कूड़ा कचरा को गढढे मे सुनियोजित से सड़ाकर सी सी पी पद्धति से खाद का खाद प्राप्त किया और आस पडोस मे स्वच्छता बढ़ाया जिससे बीमार कम पड़ते है |

***18.* ऐसी स्थिति आपने कहीं देखा या कोई प्रेरणा स्रोत है:** नहीं, यह सबकुछ कंचन सेवा आश्रम एवं वाटर फॉर पीपल से ही सीखा |

Action/reaction of the different stack holder

***19.* परिवार, ग्रामीण, किसी संस्थान या समुदाय से प्राप्त सहयोग */ Non cooperation/ Pratikriya* का विवरण :** परिवार के सभी सदस्यों का तन मन से सहयोग मिला | ग्रामीण इसको पसंद कर सराहा भी एवं वह भी | कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, कृषि विभाग के किसान सलाहकार, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी श्री विष्णु देव कुमार रंजन तक बेहतर कृषि करने पर धन्यवाद दिए और अपने सभी योजनाओ के क्रियान्वयन मे सहभागी के रूप मे इन्हें आगे रखते है |

Figure 5 रामकुमारी द्वारा खुद कंचन अमृत के लाभ पा जाने के पश्चात पडोसी महिला को भी कंचन अमृत बनाने का तरीका बताते हुए

जीविका के ग्राम संगठन मे उन्हें मुख्य भूमिका हेतु भी चुन लिया गया है | महिला होकर भी डीजल अनुदान , फसल क्षतिपूर्ति अनुदान, कमैनी के कई तरह के यंत्र (वीडर, पावर वीडर, ग्रब्बर), वार्मि बेड अनुदान प्रक्रिया, बीज ग्राम योजना से गेहूं बीज दिलाने मे मुख्य भूमिका निभाती रहती है |

20· समाजसेवको का योगदान Non cooperation/ Pratikriya : समाज मे प्रेरणा से लेकर सरकारी सुविधा दिलाने के कारण गावं के लोग निर्मल दीदी के नाम से पुकारने लगे है |

21. ग्राम या प्रखण्ड स्तर पर कार्यरत सरकारी या गैर सरकारी या गैर सरकारी कर्मियों या टोला सेवक/रोजगार सेवक/ संस्था का उत्प्रेरक/ आशा आंगनवाड़ी/ ए एन एम् दीदी का सहयोग/ Non cooperation/ Pratikriya : ग्राम एवं प्रखण्ड स्तर के सभी कर्मी, जीविका के समूह की महिलाओ, कर्मी सहित मुझे भी कर्मी के जैसे सहभागी के रूप मे मदद लेते देते है और इस कारन बहुत ही सम्मान देते है |

22· पंचायती राज की सदस्यों का सहयोग Non cooperation/ Pratikriya : पंचायत राज के प्रतिनिधि बेहतर तालमेल मे रहते है क्योकी किसान को जो आस्था, स्नेह और निष्ठा इतना मेरे प्रति हो गया है कि उनको यह लगता है कि इनके माध्यम से बेहतर किसान समझता है और इनके कहने से चुनाव मे वोट प्रभावित हो सकता है |

Hurdle & Stages on the way to success:

23· कार्य को पूरा करने मे आने वाली बाधाएं: शौचालय को लेकर अधिक दिलचस्पी दिखाने से किसान यह आरोप लगाते रहे है कि शायद इसलिए यह दिलचस्पी दिखाते है कि इन्हें इसके बदले अलग से रुपया मिलता है इसलिए यह कहते थे कि सबलोग अपना स्वार्थ के लिए शौचालय का प्रचार करते है |

Figure 6 रामकुमारी द्वारा पंकिवध खेती मे सुक्ष्म पोषक तत्व का छिडकाव करते हुए

24. आपने बाधा को कैसे दूर किया : किसान क्लब के मासिक बैठक मे आय व्यय के हिसाब के बाद सभी सदस्यों को बताते रहे है कि शौचालय नहीं रहने से सब घर के महिलाओ को होने वाली कठिनाई,

लोकलाज के डर से शौच को रोक कर रखने से पेट खराब, गैस, बदहजमी का शिकार होना, शाम रात के समय खुले मे शौच जाने से महिलाओ के साथ छेड़खानी होना, सांप काटने का खतरा, समय का बर्वादी, समाज मे प्रतिष्ठा कम आँका जाता है | काम चलाऊ शौचालय मात्र 12 हजार रुपया मे भी काम चलने योग्य अच्छा बन जाता है | जिसका सरकार के तरफ से अनुदान भी मिल जाता है | पूरा ग्राम जिला मे सबसे पहले इसे बना लेंगे तो ग्राम को निर्मल ग्राम का पुरस्कार भी मिल सकता है | इस प्रकार बताने से सर्व प्रथम महिलाये तैयार हुई और घर मे यह कहकर बनवाई कि जब शादी ब्याह मे लाखो खर्च कर सकते है , खुले मे शौच करने से होने वाले बीमारी पर प्रति वर्ष प्रति परिवार हजारों लाखो खर्च कर सकते है तो सभी बीमारी के जड़ को समाप्त करने मे मात्र एक बार बारह से पन्द्रह हजार लगाकर क्यों नहीं पहले शौचालय बनवा ले | इस सोच के तहत पहले महिला सदस्य बनवाई फिर पुरष सदस्य बनवाये, इस पंचायत मे बने चार किसान क्लब मे सभी 120 सदस्यों ने पहले शौचालय बनवाई फिर किसान क्लब के सदस्य को देखकर गावं के लोग भी बनवाने लगे क्योंकि मुखिया जी यह कहते थे कि देखिये किसान क्लब के सभी लोग घर घर शौचालय बनवाकर सरकार से बारह हजार रुपया अनुदान भी प्राप्त कर लिए | आप लोग भी कर लीजिए इसके बाद पुरे गावं मे तेजी से शौचालय बना और जिला का प्रथम पंचायत ऐसा बना जिसे निर्मल ग्राम का पुरस्कार मिला |

Figure 7 राम कुमारी द्वारा व्यर्थ पानी मे अजोला तैयार कर प्रयोग हेतु निकलते हुए

25. कार्य को पूरा करने मे धन की प्राप्ति किस माध्यम से की (आवश्यकता होने पर): धन की प्राप्ति संबंधी सभी निर्णय कोरम के साथ होने वाली बैठक मे ही पारदर्शिता, सहभागिता एवं अंशदान से करते है |

26. सरकारी सहयोग : कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, उद्यान विभाग, पशु पालन विभाग से किसानो को बीज अनुदान, डीजल अनुदान, प्रशिक्षण, पूसा किसान मेला भ्रमण यात्रा, कृषि संबंधी यंत्र कुछ निशुल्क एवं कुछ अनुदानित मूल्य पर भी प्राप्त किये है | अपने समुदाय के को लाभ दिलवाये है | किसान क्लब का बचत खाता खोलवायी एवं आत्मा से पंजीयन भी करवायी |

How is the feeling after completion?

27· कार्य संपन्न के बाद की स्थिति : मृदा स्वास्थय मे सुधार, कृषि कार्य मे लागत कम गया है उपज अधिक होने लगा है, ओ डी एफ समाज का निर्माण हो सका है, स्वच्छ जल के गहराई 200 फीट से नीचे का ही पानी पीते है | जैविक खेती सह पशु पालन, देसी बीज को प्रोत्साहन, एकता के बल का समझ, पानी का सही मात्रा मे ही प्रयोग, शौचालय के नियमित प्रयोग के लाभ, कचरा प्रबंधन से गावं मे साफ़ सफाई रहता है |

Figure 8 राम कुमारी द्वारा स्वयम वर्मी कम्पोस्ट बनाने के बाद पडोसी महिला को भी बनाने के तरीको को बताते हुए

28. अनुभव या कैसा महसूस करते है ? : जो जानकारी पिछले एक वर्ष मे कंचन सेवा आश्रम या वाटर फॉर पीपल से मिला यह और पूर्व मे मिला होता तो हम लोग आज कितना आगे होते |

Future course of action

29· भविष्य की योजना व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर : व्यक्तिगत स्तर पर अपना दैनिक काम से मौका मिलते ही अपने अनुभव सभी किसानो मे प्रेणादायक के रूप मे बाँटते रहेंगे क्योंकि ज्ञान अनुभव बाँटने से कमता नहीं, और उसमे निखार आता है |

अथक प्रयास कर पंचायत को खुले मे शौच से मुक्त समाज बनाये अब उसे निरंतर बेहतर प्रयोग मे लाने हेतु, उसमे स्वच्छता बनाये रखने हेतु समाज को प्रेरित करते रहेंगे |सामाजिक स्तर पर सबको जैविक खाद पर निर्भर बनाने हेतु प्रेरित करेंगे, स्वच्छ जल ही पी सके, समाज के सभी व्यक्ति मे ऐसा

सोच भरेंगे | नित्य साफ सफाई, कचरा प्रबंधन से खाद निर्माण, देसी बीज उत्पादन, किसानो का संगठनात्मक विकास, एकता बनाये रखने हेतु प्रेरणा देंगे |

***30.* हमें कोई बात बताना चाहते है :** हाँ, जिस तरह की जानकारी, समाज मे नई दिशा पिछले साल से देते रहे है इस तरह आगे भी विकसित समाज के अच्छाई से अवगत कराते रहे | ताकि इसको हम और हमारा समाज विकसित समाज बना सके |

***31.* आपकी चाह/ इच्छा:** हम भी अपने समाज के अंतिम से अंतिम अभिवंचित एवं पिछड़े व्यक्ति सबको जागरूक कर सके | सबके साथ मे मिलजुल कर संगठनात्मक रूप से सबका साथ, सबका विकास हो और विकसित समाज के रूप मे हमारा समाज गिनती होने लगे |

Figure 9 रामकुमारी का साफ एवं स्वच्छ शौचालय

***32.* समाज/ समुदाय और परिवारजानो को कोई सन्देश:** एकता मे ही बल है | स्वच्छता मे महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए महिलाओं को भी इस अभियान मे सशक्त एवं संगठनात्मक विकास कर स्वच्छ समाज, स्वच्छ विचार, स्वच्छ जल, खुले मे शौच मुक्त समाज, जैविक खेती, पानी का सही मात्रा मे ही प्रयोग करने का सन्देश देते है |

***33.* आपके चित्र और आपमें द्वारा किये गए कार्य के चित्र लेने मे आपकी सहमति :** हम अपने द्वारा किये गए सभी कार्यों को पुरे समुदाय मे फ़ैलाने हेतु अपनी फोटो और किये गए कार्यों को सहमती देते है

हस्ताक्षर :

34. धन्यवादज्ञापन अपने शब्दों साक्षात्कार लेने वालो ने किया

(अपने कार्यों को पूरी आत्मीयता से बताने एवं पुरे समुदाय मे प्रेरणा देने हेतु समय देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया गया)

Figure 10 रामकुमारी दीदी के माध्यम से ढैंचा से हरित खाद की तैयारी